आवश्यकता है स्वयं को मैनेज करने की...

कम्पटीशन की दुनिया में क्या चाहिए...!!!

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि उसको ये भी पता नहीं था कि समुद्र के भीतर चलने वाले करंट कितने पॉवरफुल होते हैं। एक नदी का करंट कितना पॉवरफुल होता है। एक नहर का करंट कितना पॉवरफुल होता है तो समुद्र के करंट कैसे होंगे? ये भी उसको ज्ञान नहीं था। लेकिन एक ही चीज़ उसके पास थी, वो था एक कंपास। जो उसको दिशा बताता रहा कि किस दिशा में वो आगे बढ़ रहा है। उस कंपास के सहारे वो कुछ हद तक सफल हो गया। अब आगे पढ़ेंगे...

ठीक इसी तरह मनुष्य जीवन है। आज हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जिस युग को कहा जाता है अनिश्चितता का समय। अनिश्चितता, माना घंटे के बाद क्या होना है वो भी निश्चित नहीं है। और हमारे पास उस अनिश्चित भविष्य के कोई नक्शे नहीं हैं। कहाँ जाना है, कैसे जाना है ये भी पता नहीं। हमें ये भी पता नहीं है कि आने वाले समय में किस तरह के तूफानों का सामना करना होगा। और उन तूफानों के लिए हमारी तैयारी नहीं है। हमें ये भी पता नहीं है कि आने वाले समय में किस तरह के जीव हमारे पीछे लग सकते हैं। बड़ी-बड़ी व्हेल मछलियों जैसी, शार्क मछलियों जैसे जो पूरा का पूरा ही निगल जाये। हमें ये भी पता नहीं है कि हमारे अपने जीवन में कौन से कमज़ोरी के अंडर करंट चल रहे हैं। जो अंडर करंट कभी-कभी इतने पॉवरफुल होते हैं, जो कमज़ोरी हमारे जीवन को तहस-नहस कर सकती है, और सबसे बड़ी बात हमारे पास कंपास भी नहीं है जो हमें दिशा बताये कि हाँ जिस दिशा में हम चल रहे हैं वो दिशा सही भी है या नहीं! तो किसके सहारे चल रहे हैं? स्वयं का तो इस अनिश्चित समय में कुछ भी पता नहीं है कि आने वाले तूफान कैसे होंगे। आने वाले समय में हमारे पीछे कौन से जीव लग सकते हैं,

एक बच्चा स्कूल में जाने लगता है और एक कम्पटीशन की दुनिया में पैर रखता है। और जीवन के अंतिम श्वास तक उस कम्पटीशन में विजयी होने के लिए जूझता है, संघर्ष करता है, कम्पटीशन की दुनिया में सफल होने के लिए क्या चाहिए?

आने वाले समय में हमारे जीवन में जो अंडर करंट कमज़ोरियों के चल रहे हैं वो कैसे उछाल मारेंगे! और हमें कहाँ से कहाँ पहुंचा देंगे।

तो इस भवसागर में किसके सहारे चल रहे हैं कि हमारी लाइफ हमारे कन्ट्रोल में है, हमारी सोच हमारे कन्ट्रोल में है, हमारा व्यवहार, हमारी वृत्तियां हमारे अपने कन्ट्रोल में है? तो किसके सहारे चल रहे हैं? तो मेरी अपनी मैकेनिज़्म है वो भी मेरे अपने कन्ट्रोल में नहीं है। तुम किसके सहारे चल रहे हो? क्या कहेंगे? भगवान के? आज दुनिया में इतने भगवान हो गये कि किस पर डिपेंड करना चाहिए, ये भी पता नहीं है। सत्य का परिचय ही नहीं है और जितना सत्य को समझने का प्रयत्न कर रहे हैं उतना ही सत्य दूर होता जा रहा है। तो क्या कुछ तो करना होगा हमें अपने आपको मैनेज करने के लिए क्योंकि ये सबसे बड़ी चुनौति है वर्तमान समय की। दिनोंदिन कम्पटीशन बढ़ रहा है। एक बच्चा स्कूल में जाने लगता है और एक कम्पटीशन की दुनिया में पैर रखता है। और जीवन के अंतिम श्वास तक उस कम्पटीशन में विजयी होने के लिए जूझता है, संघर्ष करता है, कम्पटीशन की दुनिया में सफल होने के लिए क्या चाहिए?

एक बहुत सुन्दर दृष्टांत याद आता है- एक बार एक भारतीय और एक अमेरिकन दोनों एक जंगल से गुज़र रहे थे। अचानक उन्होंने शेर की दहाड़ सुनी। तो भारतीय ने क्या किया अपने जंगल बूट्स को उतार दिया और रनिंग शूज़ पहन लिया तो ये देखकर वो अमेरिकन उसको पूछता है तू क्या समझता है अपने आपको, ये रनिंग शूज़ पहन कर तू शेर से आगे दौड़ेगा? तो भारतीय उसको कहता है कि नहीं शेर से आगे तो नहीं दौड़ सकता। लेकिन तेरे से आगे तो दौड़ सकता हूँ। शेर तो उसका शिकार करेगा जो पीछे रह जायेगा। मैं तो तेरे से आगे दौड़ने के लिए ये जूते बदली कर रहा हूँ। कम्पटीशन की दुनिया में जीतने के लिए क्या चाहिए? क्या चाहिए? सूझ चाहिए, समय सूचकता चाहिए। अमेरिकनों के पास बहुत अच्छी क्वालिटी के जूते होंगे लेकिन उसने सोचा कि इसको जंगल में क्या करेंगे? वो लाया ही नहीं। और जब वो लाया ही नहीं तो एक इंडियन ऑर्डनरी टैनिंग शूज़ पहन कर भी जीत जाता है। -क्रमशः

मोहाली-पंजाब। ज्ञान चर्चा के पश्चात विधायक कुलवंत सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रमा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. स्वराज बहन तथा अन्य।

नोएडा। कामकाजी महिलाओं के लिए नोएडा फिल्म सिटी के मारवाह स्टूडियो में आयोजित प्रतिष्ठित डॉ. सरोजिनी नायडू अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के 8वें संस्करण में ब्र.कु. प्रभा बहन,माउण्ट आबू को मीडिया और ओम शांति प्रोडक्शन फिल्मों के माध्यम से ईश्वरीय सेवाओं के लिए 'सरोजिनी नायडू अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया गया।

पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित चैतन्य झाँकी दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पटना की मेयर सीता साहू, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रानी बहन तथा अन्य।

रामगंजमंडी-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के आदर्श नगर सेवाकेंद्र पर गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन ने गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया। तत्पश्चात् सेवाकेंद्र में आने वाले भाई-बहनों द्वारा सेवाकेंद्र में समर्पित सभी ब्र.कु. बहनों को माला पहनाकर, तिलक व फूल देकर आध्यात्मिक गुरु के रूप में सम्मानित किया गया।

कादमा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला रामबास में संस्थान के पूर्व पंजाब ज़ोन निदेशक राजयोगी ब्र.कु. अमीरचंद भाई के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं ग्राम पंचायत रामबास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में धीर अस्पताल भिवानी के डॉक्टर्स, ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. वसुधा बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. सुनील भाई व सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

चक्रधरपुर-झारखंड। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला की संचालिका तथा महिला विंग की आजीवन सदस्या ब्र.कु. मानिनि बहन को मध्यप्रदेश राज्य के सोशली पॉइंट फाउंडेशन द्वारा प्रेषित 'समाजसेवी उत्कर्ष पुरस्कार-2004' प्रदान करते हुए महिला समाज सेवी कमला पोद्दार।

झुंझुनू-राज.। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान गुढ़ागोड़जी नगर पालिका अध्यक्ष रामावतार दायमा को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. पुष्पा दीदी तथा झुंझुनू ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अमृता दीदी।

चरखी दादरी-हरियाणा। स्थानीय सेवाकेन्द्र पर राजयोगी ब्र.कु. अमीरचंद भाई के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित 'सर्व धर्म स्नेह मिलन' कार्यक्रम में विधायक सुनील सांगवान सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

नगर-डीग(राज.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आरसी ब्लॉक नगर डीग में विद्यार्थियों के लिए 'नैतिक चरित्र निर्माण' कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य राधा मोहन गुप्ता, शारीरिक शिक्षक लालाराम सैनी, हरगोविंद जी, तेज सिंह, नरेश चंद मीणा, पवन कुमार, श्रीमती ज्योति मित्तल, पपीता कुमारी बहन, ब्र.कु. हीरा बहन, ब्र.कु. तारेस बहन व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

गोगुन्दा-राज.। विद्यालय में आयोजित 'ट्राई' कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में प्रिंसिपल कुंदन सिंह, ब्र.कु. रमेश भाई, डॉ. अजय शुक्ला, ब्र.कु. रश्मि बहन, ब्र.कु. वैशाली बहन तथा अन्य।

जयपुर-निर्माण नगर(राज.)। आर्मी के मेजर जनरल रायसिंह गोदारा को परमात्म परिचय देने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. सरिता बहन।